विषयानुक्रम

भूमिका

अध्याय पहला - १ - १३

नागार्जुन : जीवन वृतान्त।

अध्याय दूसरा - १४ - ३७

नागार्जुन की युगीन परिस्थितियाँ।

अ] राजनीतिक परिस्थिति।

ब] सामाजिक परिस्थिति।

क] धार्मिक परिस्थिति।

ड] आर्थिक परिस्थिति।

अध्याय तीसरा - ३८ - ७२

नागार्जुन के आँचलिक उपन्यासों में विवाह समस्याएँ।

अ] अनमेल विवाह समस्या।

ब] बहु विवाह समस्या।

क] जरठ विवाह समस्या।

ड] विधवा विवाह समस्या।

अध्याय चौथा - ७३-१२०

नागार्जुन के आँचलिक उपन्यासों में नारी जीवन की कुछ अन्य समस्याएँ।

अ] विधवा समस्या।

ब] वेश्या समस्या।

क] विवाह की कुप्रथाएँ।

ड] बलात्कार और अन्य अत्याचार।

इ] नारी शिक्षा समस्या।

अध्याय पाँचवाँ - १२१-१७०

नागार्जुन के आँचलिक उपन्यासों में ग्राम जीवन की समस्याएँ।

अ] आर्थिक समस्या।

ब] छुआछूत की समस्या।

क] पारंपारिक अंध-विश्वास, रीतिरीवाज एवं अंधश्रध्दा।

ड] जमींदारों की शोषण प्रवृत्ति और अत्याचार।

उपसंहार १७१-१७४

संदर्भ ग्रंथ सूची-परिशिष्ट। १७५-१७८